RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 21 JUNE TO 27 JUNE 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 40 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर इंडिगो ने एयरबस से खरीदे 500 विमान, टाटा को कड़ी टक्कर Page 2

जीएसटी काउंसिल की बैठक 11 जुलाई को Page 3

ताश के पत्तों की तरह ढह गए सोने और चांदी के दाम, 45 दिन में बदली दुनिया Page 5

editoria!

भारत की बढ़ती धमक

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता आधुनिक विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र की यात्रा पर हैं. प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका का यह छठा दौरा है. मगर यह पहली बार है जब अमेरिका ने उन्हें स्टेट विजिट यानी राजकीय दौरे पर बुलाया है. इससे पहले वर्ष 2009 में अमेरिका ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राजकीय दौरे पर बुलाया था. उस वक्त राष्ट्रपति बनने के बाद बराक ओबामा ने पहली बार राजकीय दौरे पर बुलाने के लिये भारत को चुना था. यानी बीते दो दशकों में दुनिया के दो बड़े लोकतंत्रों ने एक-दूसरे के महत्व को समझा है और उस रिश्ते को लगातार मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं. इस सदी की शुरुआत में अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा अहम चीन और पाकिस्तान जैसे भारत के प्रतिद्वंद्वी देश थे. दरअसल शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनायी थी. मगर अमेरिका समझता था कि भारत का झुकाव तत्कालीन सोवियत संघ और उसके विघटन के बाद रूस की तरफ है. इसमें कुछ वास्तविकता भी थी क्योंकि चीन और पाकिस्तान के साथ युद्ध के बाद भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए सोवियत संघ पर निर्भर था. भारत अभी भी अपने सबसे ज्यादा सैन्य साजो-सामान रूस से ही खरीदता है. उधर, अमेरिका ने पहले रणनीतिक कारणों से पाकिस्तान को शह दी. साथ ही, चीन को एक आर्थिक शक्ति बनता देख अवसरों की तलाश में वह चीन के भी करीब हो गया. लेकिन, 2004 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत को लेकर अमेरिका का नजरिया बदलने लगा. वहीं कम्युनिस्ट चीन के आक्रामक होते जा रहे राजनीतिक और आर्थिक तेवर को देख इसकी काट के लिए अमेरिका ने भारत को अपना दोस्त बनाने की कोशिश की. वर्ष 2008 में दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच अहम असैन्य परमाणु संधि भी हुई जिसका तब भारत में काफी राजनीतिक विरोध भी हुआ था. भारत और अमेरिका को निकट लाने में चीन एक बड़ा कारण रहा है. दोनों ही देश चीन को चुनौती समझते हैं और उस पर लगाम लगाना दोनों के साझा हित में है. पीएम मोदी के दौरे को लेकर काफी तैयारियां चल रही थीं और बताया जा रहा है कि इस दौरे में खास तौर पर रक्षा से जुड़े अहम समझौतों पर मुहर लगेगी. वर्ष 2016 में पीएम मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा था कि अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर भारत का 'ऐतिहासिक संकोच' खत्म हो गया है. पीएम मोदी का मौजूदा दौरा दोनों देशों के रिश्तों में मील का एक नया पत्थर साबित हो सकता है.

रूस से ताबड़तोड़ सस्ता तेल खरीद रहा भारत, रेकॉर्ड पर पहुंचा इंपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और चीन रूस से ताबड़तोड़ सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (IEA) की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने मई महीने में अपने कुल एक्सपोर्ट का 80३ कच्चा तेल भारत और चीन को निर्यात किया है। भारत और चीन दोनों दुनिया के दो बड़े क्रूड ऑयल इंपोर्टर भी हैं। एक समय भारत का रूस से ऑयल इंपोर्ट करीब जीरो था। लेकिन अभी यह बढ़कर 20 लाख बैरल प्रति दिन के रेकॉर्ड लेवल पर पहुंच चुका है। वहीं अगर चीन की बात करें तो ड्रैगन का इंपोर्ट 5 लाख बैरल प्रति दिन से बढ़कर 22 लाख बैरल प्रतिदिन कर दिया है। भारत का रूस से तेल का आयात अप्रैल महीने की तुलना में 14 फीसदी ज्यादा है। रूस से कच्चे तेल (Russian Crude Oil) के इंपोर्ट का यह एक नया रेकॉर्ड भी है। इसके पहले यूरोप रूस से तेल का सबसे बड़ा खरीदार था। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोप ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। अब एशिया में 90 फीसदी से ज्यादा रूसी तेल आयात किया जा रहा है।

जब रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू हुआ तो रूस (Russian) पर आर्थिक प्रतिबंध लगने शुरू किए गए। रूस ने भी डिस्काउंट रेट यानी सस्ते दामों पर क्रूड ऑयल (Crude Oil) बेचना शुरू कर दिया। इस मौके का फायदा भारत और चीन ने उठाया। भारत और चीन दोनों भारी मात्रा में रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। बीते वर्ष दिसंबर में यूरोपीय संघ ने रूस से किसी भी तरह के सी-बोर्न क्रूड ऑयल (Crude Oil) का आयात पूरी तरह से रोक दिया था। इसके दो महीने बाद ही रूस से आने वाले रिफाइंड यानी तैयारी पेट्रोलियम उत्पाद के आयात पर भी रोक लगा दी गई थी।

अमेरिका और यूरोप की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी भारत रूस से भारी मात्रा में रियायती दाम पर कच्चा तेल (Crude Oil) खरीद रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के पेट्रोलियम उत्पादों पर यूरोपियन यूनियन के प्रतिबंध के बाद भारत के रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का इस बाज़ार में निर्यात लगातार बढ़ा है।

क्या कम होंगे दाम

बता दें कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत (Petrol-Diesel Price) में एक साल से भी अधिक समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीते दिनों पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आ सकती है। उन्होंने कहा था कि अगर कच्चे तेल की कीमत स्थिर रहती है तो ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (OMCs) पेट्रोल-डीजल की कीमत में कटौती करने का फैसला कर सकती हैं। पुरी ने साथ ही कहा कि अगर अगली तिमाही में इन कंपनियों का परफॉरमेंस ठीक रहता है तो वे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती करने के लिए बेहतर स्थिति में होंगी। हालांकि उन्होंने साफ किया कि वह इस मामले में किसी तरह की घोषणा करने की स्थिति में नहीं हैं।

सरकारी खजाने में जमकर आएगा पैसा, ताबड़तोड़ हो रहा कलेक्शन

जीएसटी संग्रह में 12-14 प्रतिशत उछाल की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। जीएसटी कलेक्शन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब आने वाले समय में जीएसटी कलेक्शन में 12 से 14 फीसदी का और इजाफा हो सकता है। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में राज्यों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कुल संग्रह में वृद्धि 12-14 प्रतिशत रहने की संभावना है। पिछले वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि दर 20 प्रतिशत रही थी।क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने एक बयान में कहा कि राज्यों की जीएसटी संग्रह वृद्धि दर हालांकि वित्त वर्ष 2023-24 में कम रहेगी, लेकिन राज्यों के राजस्व वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान जीएसटी संग्रह का ही रहेगा।

उन्होंने कहा, 'सकल राज्य जीएसटी संग्रह में वृद्धि दर वित्त वर्ष 2022-23 के 20 प्रतिशत से कम होकर चालू वित्त वर्ष में 12-14 प्रतिशत होगी।' सेठी ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन, मुद्रास्फीति के माहौल में नरमी और कर अनुपालन में वृद्धि जैसे कारकों से जीएसटी संग्रह में मदद मिलेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 90 प्रतिशत की सकल हिस्सेदारी वाले 18 राज्यों में चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व छह-आठ प्रतिशत बढ़कर 34 लाख करोड़ रुपये रह सकता है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसकी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रही थी। इसके पहले मई में जीएसटी कलेक्शन में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। वित्त मंत्रालय की ओर से मई 2023 के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए गए थे। इन आंकड़ों ने सरकार की खुशी बढ़ा दी थी। मई 2023 में सरकार ने जीएसटी के जरिए 1,57,090 लाख करोड़ रुपये की कमाई की है। अगर एक साल पहले के आंकड़े देखें तो मई 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1,40,885 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानी साल दर साल जीएसटी कलेक्शन में 12 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। अप्रैल 2023 में सरकार का जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये था।

एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर

इंडिगो ने एयरबस से खरीदे 500 विमान, टाटा को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली । एजेंसी

एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा विमानों का ऑर्डर दिया है। विमानों की खरीदारी की यह बोली एयरबस ने जीती है। इस तरह इंडिगो एयरबस से 500 विमान खरीदेगा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को बताया कि उसने 500 एयरबस A320 विमानों का रिकॉर्ड ऑर्डर दिया है। इंडिगो आने वाले समय में अपना काफी विस्तार करना चाहती है। इसके लिए उसने यह भारी-भरकम ऑर्डर दिया है। एयर इंडिया के टाटा ग्रुप के पास चले जाने के बाद इस एयरलाइन को काफी कंपटीशन मिल रहा है। इंडिगो का भारतीय एविएशन मार्केट में काफी दबदबा है। एयरलाइन के पास अप्रैल 2023 के रिकॉर्ड के अनुसार भारतीय विमानन बाजार में 57.5 फीसदी घरेलू बाजार हिस्सेदारी थी।

2030 से 2035 के बीच मिलेंगे विमान

एक बयान में इंडिगो एयरलाइन ने इस ऑर्डर को एयरबस से किसी एयरलाइन द्वारा एक ही विमान की सबसे बड़ी खरीद करार दिया है। एयरलाइन ने बताया कि विमानों की डिलीवरी साल 2030 से 2035 के बीच होगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'यह 500 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर ना सिर्फ इंडिगो का सबसे बड़ा ऑर्डर है, बल्कि एयरबस से किसी एयरलाइन द्वारा खरीदा गया सिंगल एयरक्राफ्ट का सबसे बड़ा ऑर्डर है।'

क्या है ऑर्डर की कीमत?

कीमत की बात करें, तो यह ऑर्डर 50 अरब डॉलर से अधिक कीमत का है। हालांकि, वास्तविक राशि काफी कम होगी। क्योंकि, इतने बड़े ऑर्डर के साथ अच्छा-खासा डिस्काउंट मिलेगा। इससे पहले मार्च में एयर इंडिया ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया था।

क्या है शेयर का भाव

इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो का शेयर सोमवार को 0.41 फीसदी या 10 रुपये बढ़कर 2440 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर का 52 वीक हाई 2,488 रुपये और 52 वीक लो 1513.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप सोमवार को 94,073.49 करोड़ रुपये पर बंद हुआ था।

2,000 के नोट बदलने के लिए बैंक नहीं जा पा रहे हैं?

अमेजन वाले घर आकर ले जाएंगे नोट

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से वापस ले लिया है। 30 सितंबर तक ये नोट बैंक में जमा किए जा सकते हैं। इस डेट नोट जमा नहीं किए तो आपके पास रखे 2000 रुपये बेकार हो सकते हैं, शुद्ध नुकसान। बैंक न जाना पड़े, इस चक्कर में शुरुआत में लोगों ने नोटों को लोकल दुकानों और पेट्रोल पंप्स में भुनाने की कोशिश भी की, पर इनके कर्मचारियों ने नोट लेने से मना कर दिया। पर अब घर बैठे 2,000 रुपये के नोट आप अपने अकाउंट में डाल सकते हैं और अमेजन वाले घर आकर ये नोट ले जाएंगे। असल में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अमेजन पे कैश लोड सुविधा दे रही है। इसके तहत अमेजन यूजर्स को सुविधा देता है कि वो अपने अमेजन पे बैलेंस में महीने के 50 हजार रुपये तक डिपॉजिट कर सकते हैं। अगर आप कैश डिपॉजिट का ऑप्शन चुनते हैं तो अमेजन वाले आपके घर आकर कैश ले जाएंगे और वो पैसा आपके अमेजन पे बैलेंस में क्रेडिट कर देंगे। इस सुविधा के तहत अमेजन 2,000 रुपये के नोट भी स्वीकार कर रहा है।

अमेजन पे बैलेंस का इस्तेमाल अमेजन ऐप पर शॉपिंग करने के लिए, दुकानों में स्कैन करके पे करने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा इन बैलेंस से आप पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं और इस अमाउंट को आप अपने बैंक अकाउंट में भी ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके लिए आपको अमेजन पर कैश ऑन डिलिवरी का ऑप्शन सलेक्ट करके एक सामान ऑर्डर करना होगा। ये देख लें कि वो ऑर्ड कैश लोड के लिए एलिजिबल है या नहीं। यही फीचर अमेजन पे बैलेंस में कैश डिपॉजिट करने की सुविधा देता है।

मर्जर से पहले HDFC ने बेच दी अपनी ये कंपनी, 9060 करोड़ में बिकी 90 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली । एजेंसी

एचडीएफसी ने अपनी एजुकेशन लोन सब्सिडियरी एचडीएफसी क्रेडिला की 90 फीसदी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया । एचडीएफसी ने इस डील को लेकर डिफिनिटिव डॉक्यूमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। दरअसल एचडीएफसी का एचडीएफसी बैंक में विलय होने वाला है। ऐसे में आरबीआई ने विलय के बाद बनने वाली कंपनी को क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी कम करके 10 फीसदी करने के लिए दो साल का वक्त दिया था। अब तक क्रेडिला में प्ड्इ की 90 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसे अब कंपनी ने बेच दिया है। गौरतलब है कि एचडीएफसी क्रेडिला लगभग दो दशक पुरानी कंपनी है । इस कंपनी ने सबसे पहले एडुकेशन लोन की शुरुआत की थी।

एचडीएफसी ने अपनी शिक्षा ऋण शाखा एचडीएफसी क्रेडिला को निजी इक्विटी फर्मों के एक गठजोड़ को 9,060 करोड़ रुपये में बेचा है। एचडीएफसी ने एक बयान में कहा कि क्रिसकैपिटल और बीपीईए ईक्यूटी सहित निजी इक्विटी फर्मों के एक गठजोड़ ने एचडीएफसी क्रेडिला में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। हाउसिंग डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉरपोरेशन (एचडीएफसी) की शिक्षा ऋण शाखा एचडीएफसी क्रेडिला की बिक्री एचडीएफसी बैंक के साथ एचडीएफसी के विलय से पहले हुई है। एचडीएफसी लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि इसके लिए उन्होंने बाध्यकारी समझौता किया है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एचडीएफसी क्रेडिला का कुल राजस्व 1,352.18 करोड़ रुपये था और 31 मार्च, 2023 को इसकी कुल संपत्ति 2,435.09 करोड़ रुपये थी।

भारत का पाम तेल आयात मई में 15 फीसदी घटकर 4.39 लाख टन रहा, CPO का आयात घटकर 3.48 लाख टन पर पहुंचा

एजेंसी

भारत का पाम तेल आयात इस साल मई में 14.59 फीसदी घटकर 4,39,173 टन रह गया जबकि कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात तेजी से बढ़ा। तेल उद्योग निकाय एसईए ने यह जानकारी दी है। दुनिया में वनस्पति तेल के खरीदारों में अग्रणी देश भारत ने मई 2022 में 5,14,022 टन पाम तेल का आयात किया था।

हालांकि, देश का कुल वनस्पति तेल आयात इस साल मई में मामूली गिरावट के साथ 10,58,263 टन रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 10,61,416 टन था. देश के कुल वनस्पति तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी करीब 59 फीसदी की है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अनुसार, तेल वर्ष 2022-23 में नवंबर-मई के दौरान पाम तेल उत्पादों का आयात तेजी से बढ़कर 53,48,396 टन हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह आयात 37,39,783 टन था। एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने एक बयान में कहा, "कुल खाद्य वनस्पति तेल आयात में पामतेल की हिस्सेदारी 50 फीसदी से बढ़कर 59 फीसदी हो गई, जबकि नरम तेल (सॉफ्ट आयल) का आयात घट गया। हालांकि, पिछले दो महीनों में सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल की खेप तेजी से बढ़ी है।

एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम ऑयल उत्पादों में क्रूड पाम ऑयल (सीपीओ) का आयात इस साल मई में घटकर 3.48 लाख टन रह गया, जो साल भर पहले की अवधि में 4.09 लाख टन था। इसी तरह, आरबीडी पामोलिन का आयात एक लाख टन से घटकर 85,205 टन रह गया, जबकि कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात मई के 4,265 टन से बढ़कर 5,850 टन हो गया। नरम तेलों में, सोयाबीन तेल का आयात इस साल मई में घटकर 3.18 लाख टन रह गया, जबकि 2022 की समान अवधि में यह 3.73 लाख टन था। मई 2022 के 1.18 लाख टन के मुकाबले सूरजमुखी तेल का आयात इस बार तेजी से बढ़कर 2.95 लाख टन हो गया। एसईए के मुताबिक, इस साल एक जून को खाद्य तेलों का स्टॉक 7.38 लाख टन होने का अनुमान है और करीब 22.03 लाख टन खाद्यतेल पाइपलाइन में है। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल का आयात करता है, और अर्जेंटीना से सोयाबीन सहित कच्चे नरम तेल की एक छोटी मात्रा का आयात करता है. सूरजमुखी का तेल यूक्रेन और रूस से आयात किया जाता है।

2,000 रुपये के नोटों की वापसी से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिल सकता है बूस्टर डोज: SBI रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले महीने 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने का फैसला किया था। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने 23 मई से 30 सितंबर, 2023 तक दो हजार रुपये के नोट को जमा या अन्य नोटों में एक्सचेंज करने की सुविधा दी। हालांकि, हर किसी के मन में यह सवाल है कि आखिर 2000 के नोट बंद करने से क्या फायदा होगा? कुछ लोगों का कहना है कि 2,000 रुपये के बैंक नोट वापस लेने से काले धन पर रोक लगाने में काफी हद तक मदद मिल सकती है. लेकिन ये बात लोगों को ज्यादा हजम नहीं हो पाई।

अब RBI के इस फैसले क लगभग एक महीने हो चुके हैं। जिसके बाद देश सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने एक रिपोर्ट जारी की है। जिसमें बताया गया है कि हाल ही में आरबीआई द्वारा 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने के फैसले से किस तरह बैंक डिपॉजिट ,लोन रीपेमेंट और यहां तक कि देश की जीडीपी को बढ़ावा मिल सकता है।

अगर दूसरे शब्दों में कहें तो एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि रिजर्व बैंक के इस फैसले से भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्टर डोज मिल सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2000 को नोटों को एक सटीक प्लानिंग के तहत सर्कुलेशन से वापस किया गया है और अब 2000 रुपये के नोटों को ही यूपीआई पेमेंट मान लेना चाहिए। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, मार्च 2023 तक वैल्यू के हिसाब से 2,000 रुपये के नोटों की हिस्सेदारी 10.8% थी। 2,000 रुपये के नोटों में से लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये सिस्टम में वापस आ गए। इसमें 85% यानी 1.5 लाख करोड़ रुपये बैंक डिपॉजिट के रूप में प्राप्त हुए और बाकी के नोटों को एक्सचेंज कराया गया।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 8.1% रहने की उम्मीद

SBI की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,000 के नोटों को सर्कुलेशन से वापस लेने के कारण वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि 8.1% रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हमारे अनुमान को पुष्टि करता है कि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 6.5% से अधिक हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू खाता और बचत खाता जमा में वृद्धि होने की संभावना है और एएससीबी डेटा बताता है कि कुल जमा में 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। 2,000 के नोटों को वापस लेने से जमा राशि का 30% यानी 92,000 करोड़ लोन रीपेमेंट में जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि रीपेमेंट के बावजूद क्रेडिट ग्रोथ काफी मजबूत बनी हुई है।

इंश्योरेंस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के हो रहे हैं उपाय

नई दिल्ली। एजेंसी

आईआरडीएआई के अध्यक्ष देबाशीष पांडा ने कहा है कि देश में इंश्योरेंस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए नियमों में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। विदेशी कंपनियों के साथ घरेलू कंपनियां इस सेक्टर में प्रवेश करने के लिए कतार में हैं। उन्होंने कहा कि इंश्योरेंस कानूनों में संशोधन के प्रस्तावों में विचार किया जा रहा है। इंश्योरेंस सेक्टर में तर्कसंगत कैपिटल के नियम बनाने पर मंथन चल रहा है। इस सेक्टर में आने पर कंपनियों को दूसरे वित्तीय प्रॉडक्ट की बिक्री की अनुमति दी जाए, इस प्रस्ताव का भी गंभीरता से अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम कंपनियों को ऐसा प्लैटफॉर्म देना चाहते हैं, जहां पर वे तय नियमों को पालन कर आसानी से काम कर सकें। इसके साथ वह ज्यादा वित्तीय उत्पाद बेच सकें, अपनी सेवाएं बेहतर बना सकें। इससे देश को फायदा होगा कि निवेश आएगा। ग्राहकों को ज्यादा और बेहतर फाइनैंशल प्रोडक्ट मिलेंगे।

जीएसटी काउंसिल की बैठक 11 जुलाई को

नई दिल्ली। एजेंसी

GST काउंसिल ने कहा है कि वह 11 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित करेगी। काउंसिल की यह 50वीं बैठक दिल्ली के विज्ञान भवन में होगी। काउंसिल ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार इस बैठक का मुख्य अजेंडा अपीलीय ट्रिब्यूनल की स्थापना में तेजी लाना और इस बारे में राज्यों के बीच सहमति बनाना होगा। हालांकि, रोजमर्रा की चीजों के टैक्स रेट में बदलाव को लेकर स्थिति साफ नहीं है।

जीएसटी चोरी की आड़ में कई करोड़ की वसूली का खेल जारी

दिल्ली से आने वाले सामान पर उएऊ चोरी हो रही है। इस चोरी को छुपाने के लिए कई करोड़ की हर महीने अवैध वसूली की जा रही है। सामान की ढुलाई बिल नहीं बल्कि बिल्टी पर हो रही है। रोजाना सैकडों ट्रक करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी कर रहे हैं। टैक्स चोरी की कार्रवाई करने वाले सभी विभाग इस खेल में शामिल हैं। ट्रांसपोर्टर की तरफ से हर महीने 100 करोड़ रुपये सुविधा शुल्क दिया जा रहा है। अवैध वसूली के इस खेल में एक अधिकारी पहले से ही जेल में बंद है।

दिल्ली से रोजाना दवाइयां, गुटका, पान मसाला और परचून के सामान की ढुलाई की जाती है। ट्रक रात के 10 बजे सामान लेकर फरीदाबाद और पलवल की तरफ चलते हैं। इनमें भरे सामान का व्यापारी बिल नहीं कटवाते हैं। सामान को बड़े-बड़े कार्टन में पैक करते हैं। इनकी ट्रांसपोर्टर बिल्टी काटकर ट्रक ड्राइवरों को थमा देते हैं। इससे बिल पर लगने वाली उएऊ की चोरी की जाती है। चोरी के इस खेल में एक अनुमान है कि हर महीने 100 करोड़ रुपये से अधिक का सुविधा शुल्क दिया जाता है। चार महीने पूर्व एंटी करप्शन ब्यूरो ने ध्ए धीरज गर्ग ट्रांसपोर्टरों से अवैध वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। बताया गया कि अवैध वसूली का खेल करीब एक हजार करोड़ रुपये के आसपास था।

1 जुलाई से जूते-चप्पल लिए लागू होंगे नए नियम

फुटवेयर कंपनियों को पूरी करनी होंगी ये शर्तें

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में अब घटिया क्वालिटी के फुटवेयर नहीं बिकेंगे। 1 जुलाई 2023 से भारत में घटिया क्वालिटी के जूते-चप्पलों के निर्माण और उसकी बिक्री पर रोक लग जाएगी। सरकार ने विश्व व्यापार संगठन के नियमों का पालन करते हुए फुटवियर यूनिट्स को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू करने का आदेश दिया है। सरकार के इस आदेश के बाद देश में घटिया क्वालिटी के जूते-चप्पलों की प्रोडक्शन और सेल दोनों बंद हो जाएगी। सरकार ने इसके लिए फुटवियर कंपनियों को निर्देश जारी कर दिया है। सरकार ने फुटवेयर कंपनियों के लिए स्टैंडर्ड पेश किए हैं। जिनका पालन करते हुए अब उन्हें जूते-चप्पलों का निर्माण करना होगा। क्यूसीओ के दायरे में 27 फुटवेयर प्रोडक्ट्स को शामिल किया गया है। बाकी 27 उत्पादों को भी अगले साल इस दायरे में लाया जाएगा। सरकार ने फुटवेयर कंपनियों को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर का पालन करने की सलाह दी है। इसके लिए स्टैंडर्ड पेश किए गए हैं। नए नियम में फुटवेयर निर्माण के लिए टेस्टिंग लेबोरेटरी, बीआईएस लाइसेंस और आईएसआई मार्क के नियम का पालन करना जरूरी है। सरकार ने 1 जुलाई से ैंण्ध को सभी फुटवेयर कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया है। सरकार ने नए निर्देश के बाद देश में घटिया क्वालिटी के जूते चप्पल नहीं बनेंगे। नए नियम को लेकर भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक जनरल प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि अभी क्वालिटी स्टैंडर्ड्स के नियम बड़े और मझोले स्तर के मैन्युफैक्चरर्स और आयातकों पर लागू किए गए हैं। बाद में 1 जनवरी, 2024 से छोटे स्तर के फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स को भी इसे मानना होगा। उन्होंने कहा कि क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (QCO) से न केवल फुटवियर उत्पादों की क्वालिटी में सुधार होगा, बल्कि खराब क्वालिटी वाले उत्पादों के आयात पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

छूट की मांग

सरकार के नए आदेश को लेकर भारतीय फुटवियर कंनियां छूट की मांग कर रही है। फुटवेयर कंपनियां इन नियमों में कुछ छूट की मांग कर रही है। उनकी मांग है कि सरकार नए नियम के लिए उन्हें कुछ और वक्त दें। हालांकि सरकार ने इस नियम में किसी भी तरह के बदलाव से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि चमड़ा और फुटवियर सेक्टर में सरकार ने 27 अक्टूबर, 2020 को तीन अनिवार्य क्यूसीओ जारी किए थे। इसका एक आदेश बीते साल जनवरी में लागू हो चुका है। अब बाकी के दो नए आदेश 1 जुलाई से इन कंपनियों को मानना होगा।

खराब क्वालिटी वाले प्रोडक्ट के आयात पर लगाम

सरकार ने स्पष्ट कहा है कि फुटवेयर प्रोडक्ट्स के बड़े और मझोले स्तर के मैन्युफैक्चरर्स और सभी आयातकों को 1 जुलाई से अनिवार्य क्वालिटी स्टैंडर्ड्स का पालन करना होगा। नए नियम की मदद से सरकार चीन से आने वाले खराब क्वालिटी वाले फुटवेयर प्रोडक्ट पर रोक लगाना चाहती है। अगर चीन को भारत में अपना सामान बेचना है तो उसे स्टैंडर्ड का पालन करना होगा।

जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों को इनाम दे रहा है आरबीआई!

नई दिल्ली। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने विलफुल डिफॉल्टरों यानी जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वाले के साथ समझौते और लोन को तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डालने से संबंधित अपने हाल के सर्कुलर पर चौतरफा आलोचना के बाद सफाई पेश की है। उसने इसको लेकर संबंधित सवाल-जवाब (FAQ) जारी किया है। RBI ने इसमें साफ किया कि विलफुल डिफॉल्टरों के साथ सेटलमेंट करने की बात कोई नई नहीं है। यह प्रक्रिया पिछले 15 वर्षों से ज्यादा समय से चल रही है। RBI ने सोमवार को कहा था कि समझौता निपटान और लोन को तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डालने के हालिया निर्देशों ने बैंकों के मौजूदा रेगुलेटरी गाइडेंस को तर्कसंगत बनाया है और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए कुछ संबंधित प्रावधानों को सख्त किया है।

क्या है 8 जून के सर्कुलर में

इसमें रिजर्व बैंक ने देशभर के सभी बैंकों और फाइनैंशल कंपनियों को निर्देश दिया है कि जो लोग या कंपनियां डिफॉल्टर हो चुके हैं या लोन फ्रॉड में फंसे हैं, उन्हें फिर से लोन दें। इसमें ये भी कहा गया है कि इस तरह के लोगों के साथ बैंक मिल बैठकर बात करें यानी सेटलमेंट कर सकते हैं। इतना ही नहीं RBI ने बैंकों को सलाह दी है कि वे चाहें तो इस तरह के विलफुल डिफाल्टर्स के लोन को तकनीकी तौर पर बट्टे-खाते में डाल सकते हैं। RBI के इस फैसले का बैंकों के दो बड़े संगठन AIBOC और AIBEA काफी विरोध जता रहे हैं। इन संगठनों का कहना है कि रिजर्व बैंक के इस कदम से मालूम पड़ता है कि जैसे इरादतन लोन न चुकाने वाले लोगों को एक तरह से इनाम दिया जा रहा है। इससे न सिर्फ बैंकों की परेशानी बढ़ेगी बल्कि ईमानदार कर्जदारों के बीच गलत संदेश भी जा रहा है। बिना सुनवाई 'फ्रॉड अकाउंट' घोषित नहीं कर सकते बैंक, हाई कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक

FAQ में ये प्वाइंट हैं शामिल

1-RBI ने कहा कि वैसे कर्ज लेने वाले जो फ्रॉड या विलफुल डिफॉल्टरों की श्रेणी में डाल दिए जाते हैं उनके साथ बैंकों का समझौता करने का प्रावधान कोई नया रेगुलेटरी नियम नहीं है। यह 15 से अधिक वर्षों से चला आ रहा है।

2- फ्रॉड्स को लेकर 1 जुलाई, 2016 को जारी किए गए मास्टर डायरेक्शन और 1 जुलाई, 2015 को विलफुल डिफॉल्टरों को लेकर जारी किए गए मास्टर सर्कुलर में जो बातें कहीं गई हैं उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

3- कानूनी कार्रवाई में यह प्रावधान है कि किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था की ओर से विलफुल डिफॉल्टर के तौर पर लिस्टेड व्यक्ति को इस सूची से नाम हटने के पांच वर्षों तक नए वेंचर के लिए संस्थागत फाइनैंस नहीं मिल सकेगा।

4- कर्जदारों से फ्रॉड या विलफुल डिफॉल्टर के रूप में घोषित लोग कूलिंग पीरियड के 12 महीने तक उधारदाताओं से नए फंड उधार नहीं ले पाएंगे।

कौन होते हैं विलफुल डिफॉल्टर्स

ऐसी कंपनियां या लोग जो कर्ज तो लेते हैं लेकिन उसे जानबूझकर नहीं चुकाते हैं। ये लोन तो ले लेते हैं लेकिन बैंकों को किसी भी किश्त का भुगतान नहीं करते। इन्हें विलफुल डिफॉल्टर्स कहते हैं।

बजाज कंज्यूमर केयर ने लॉन्च किया बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

बजाज कंज्यूमर केयर ने 20 जून 2023 को बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना (मेंहदी) लॉन्च किया है। इसे बेहतरीन क्वालिटी वाली मेंहदी की पत्तियों से तैयार किया गया है और इसमें किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया गया है। यह प्रोडक्ट 100 फीसदी प्राकृतिक और पूरी तरह सुरक्षित है। इसका उपयोग हाथों और पैरों पर भी किया जा सकता है, जो इसे वास्तव में मल्टीपरपज ब्यूटी (सौंदर्य) प्रोडक्ट बनाता है।

बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना एक इनोवेटिव प्रोडक्ट है, जो पूरी तरह से प्राकृतिक है और उसे खासतौर से उपभोक्ताओं को उनके बालों को कंडीशन करने के साथ-साथ एक नेचुरल कलर यानी प्राकृतिक रंग देने जैसे संपूर्ण समाधान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। बजाज कंज्यूमर केयर के मैनेजिंग डायरेक्टर जयदीप नंदी ने इस लॉन्च पर कहा कि मेंहदी सदियों से भारत में पारंपरिक सौंदर्य व्यवस्था का हिस्सा रही है और हम बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना को पेश करते हुए बहुत खुश हैं। यह पूरी तरह से प्राकृतिक और सुरक्षित उत्पाद है। बजाज ब्रॉन्ड नाम कई दशक से लाखों भारतीयों के लिए भरोसे का पर्याय है। यह उत्पाद हमारे ग्राहकों को इनोवेटिव लेकिन प्राकृतिक और पूरी तरह से सुरक्षित उत्पाद प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना के साथ प्रकृति की अच्छाई का अनुभव करें, आपको यह पसंद आएगा। बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना (मेंहदी पावडर) देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर निम्नलिखित वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी:

मॉडर्न ट्रेड ई-कॉमर्स चैनलों के लिए विशेष एसकेयू जल्द ही लॉन्च किए जाएंगे। मॉडर्न ट्रेड में आमतौर पर हाइपर मार्केट, सुपरमार्केट चेन और मिनीमार्केट शामिल हैं। बजाज कंज्यूमर्स की क्वालिटी और ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता की झलक बजाज 100 प्रतिशत प्योर हिना का उत्पादन करने के लिए सावधानीपूर्वक निर्माण प्रक्रियाओं में दिखती है। मेंहदी की प्राकृतिक विशेषताएं और इसके प्रभाव के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए हर पैक को सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है, जो लगातार हाई क्वालिटी वाले उत्पाद का वादा करता है।

गजब का जुगाड़! रोडवेज वाली बस को बना दिया ट्रेन

भारत ने की थी गिफ्ट, किस देश में है ये अजूबा

नई दिल्ली। एजेंसी

जिन रेल रूट्स पर यात्रियों की संख्या बहुत कम होती है अक्सर वहां ट्रेनों का आवागमन रोक दिया जाता है. ऐसा रेलवे द्वारा उठाए जा रहे घाटे के कारण किया जाता है। जो एक लिहाज से ठीक भी है। लेकिन भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका ने इसका तोड़ ढूंढ निकाला है। इसमें भारत ने भी उसकी बड़ी मदद की है। श्रीलंका में कुछ ऐसे रूट्स हैं जहां पर रेल यात्रियों की संख्या काफी कम होती है। यहां ट्रेन पर अनावश्यक पैसा खर्च करने की जगह बसों को ही ट्रैक पर दौड़ाया जाता है।

अब आप सोच रहे होंगे कि बस को कैसे रेल ट्रैक पर चलाया जा सकता है. इसमें बाकी सब बस जैसा ही है लेकिन ड्राइवर की स्टीयरिंग हटा दी गई है. सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इसके पहियों को बदलकर ट्रेन के पहिये लगा दिए गए हैं. 2 बसों को मिलाकर 1 रेलबस बनाई जाती है। बस के दोनों ओर ड्राइवर कैबिन होते हैं। ठीक उसी तरह से जैसे दिल्ली मेट्रो में होते हैं।

भारत का सहयोग

भारत और श्रीलंका सहयोगी देश हैं। भारत ने हमेशा श्रीलंका की मदद को आगे आता है। यातायात की सुविधा को बढ़ाने के लिए भारत अपने इस खूबसूरत पड़ोसी देश की मदद करता है। हाल ही में देश ने श्रीलंका को 75 बसें गिफ्ट की थी। हालांकि, बसों को गिफ्ट करने का दौर नया नहीं है। 2009 में रेल बस प्रोजेक्ट के लिए ही 10 बसें गिफ्ट की थी। इन्हें मोडिफाई करके श्रीलंका ने 5 रेलबसों में तब्दील कर दिया। यह 10 बसें अशोका लीलैंड ने सप्लाई की थीं। श्रीलंका में रेलबस की शुरुआत 1995 में हुई थी। तब टाटा की 2 बसों को मिलाकर एक रेलबस बनाई गई थी। फिलहाल रेल बस का परिचालन चिलाव से पुट्टालम, बाटीकालोआ से गलोया, त्रिंकोमाली से गलोया, अनुराधापुरा से मेदावाछिया, कुरुनेगला, महावा, पेरेडनिया से कैंडी और महारगामा से कोसागामा। अगर आप कभी श्रीलंका के टूर पर जाएं तो इन रूट्स पर रेलबस का आनंद ले सकते हैं। अमूमन इन रूट्स पर भीड़ कम होती है. रेलबस घने जंगलों और खेत-खलिहानों के बीच से होकर निकलती है।

2028 के अंत तक भारत में 57 प्रतिशत यूजर्स करेंगे 5G का इस्तेमाल: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां अपने अपने 5उ नेटवर्क की शुरुआत कर चुके हैं। देश में 2022 के अंत तक 5उ के करीब 10 मिलियन मोबाइल सब्सक्रिप्शन मौजूद थे। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2028 के अंत तक भारत में 57 प्रतिशत यूजर्स 5उ का इस्तेमाल करेंगे। इस तरह देखा जाए तो भारत दुनिया में सबसे तेजी से 5उ अपनाने वाला देश होगा। बता दें कि भारत में 5उ की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी, जिसके बाद से भारत के प्रमुख बाजारों में डिजिटल इंडिया पहल के तहत काफी डेवलपमेंट देखने को मिली है।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे 5G यूजर्स

एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट की जून 2023 की रिपोर्ट में बताया गया है कि टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ देशों में जियो-पॉलिटिकल चैलेंज और आर्थिक मंदी के बावजूद 5G में निवेश करना जारी रखा है। दुनियाभर में तेजी से 5G के सब्सक्रिप्शन बढ़ रहे हैं। साल 2023 के अंत तक वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 1.5 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

उत्तरी अमेरिका का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां 5G के सब्सक्रिप्शन पिछले अनुमानों से ज्यादा रहे हैं। एरिक्सन ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि 2023 के अंत तक स्मार्टफोन यूजर्स हर महीने करीब 20GB से ज्यादा डाटा का इस्तेमाल करेंगे। उम्मीद है कि इससे वैश्विक मोबाइल नेटवर्क डेटा ट्रैफिक में वृद्धि देखने को मिलेगी।

टेलीकॉम कंपनियों का बढ़ रहा रेवेन्यू

इस रिपोर्ट में प्रमुख 5G बाजारों में काम कर रही कॉम्यूनिकेशन कंपनियों के बढ़ते रेवेन्यू पर भी प्रकाश डाला गया है। एरिक्सन के कार्यकारी उपाध्यक्ष और नेटवर्क के प्रमुख फ्रेड्रिक जेजडलिंग ने कहा, '5जी टेक्नोलॉजी के दुनियाभर में करीब एक अरब से ज्यादा ग्राहक मौजूद हैं। इसने 5जी मार्केट काम कर रही कंपनियों के राजस्व वद्धि की है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो सालो में इन कंपनियों के रेवेन्यू में 7 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

वैश्विक स्तर पर, अब तक लगभग 240 कॉम्यूनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर (CSPs) ने 5G की कमर्शियल सर्विस शुरू की है। इसके साथ ही लगभग 35 कंपनियों ने 5उ स्टैंडअलोन (SA) के तक सर्विस लॉन्च की है। बात करें सबसे कॉमन 5उ सर्विस की तो कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए इंहेंस मोबाइल ब्रॉडबेंड (eMBB), फिक्स वायरलेस एक्सेस, गेमिंग और कुछ AR/VR आधारित सर्विस पेश की हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 5उ मोबाइल सर्विस पैकेजिंग में इनोवेशन भी लेकर आया है। यही कारण है कि टेलीकॉम कंपनियां ग्राहकों को टीवी, म्यूजिक स्ट्रीमिंग, ओटीटी और क्लाउड गेमिंग जैसे ऑफर दे रही हैं। करीब 58 प्रतिशत कंपनियां अपने ग्राहकों को इस तरह के ऑफर दे रहे हैं।

भारत में गिरा कोरोना का ग्राफ, मार्च 2020 के बाद नए मामलों की सबसे कम संख्या

नई दिल्ली।एजेंसी

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 36 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,49,93,579 हो गई है। यह, मार्च 2020 के बाद एक दिन में सामने आए नए मामलों की सबसे कम संख्या है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,844 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 5,31,897 है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,44,59,838 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि covid-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक covid-19 रोधी टीकों की 2,20,67,34,611 खुराक लगाई जा चुकी हैं। देश में पिछले 24 घंटे में बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कोरोना के मामलों में कमी पायी गयी है। इसके अलावा, दिल्ली में इस बीमारी से एक मरीज की मौत हुई है।

ताश के पत्तों की तरह ढह गए सोने और चांदी के दाम, 45 दिन में बदली दुनिया

नई दिल्ली। एजेंसी

फेड की ओर से साफ संकेत हैं कि आने वाले महीनों में पॉलिसी रेट में इजाफा देखने को मिल सकता है, जिसकी वजह से डॉलर इंडेक्स में मजबूती देखने को मिल रही है और इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड और सिल्वर के दाम क्रैश हो गए हैं। कुछ महीनों पहले तक गोल्ड और सिल्वर के दाम तेजी की उम्मीद की जा रही थी, कहा जा रहा था कि गोल्ड के दाम 65000 और सिल्वर 80 हजार को पार कर जाएंगे, लेकिन मौजूदा स्थिति पूरी तरह से विपरीत दिखाई दे रही है। बीते 45 दिनों में गोल्ड के दाम 3500 रुपये कम हो चुके हैं, जबकि चांदी के दाम में करीब 8000 रुपये की गिरावट देखने को मिल चुकी है। जानकारों की मानें तो फेड की की ओर से पिछली बार ब्याज दरों में इजाफा किया गया और इस बार स्टॉप बटन दबा दिया, लेकिन आने वाले महीनों के फेड ने साफ कर दिया है कि ब्याज दरों में इजाफा होगा। ऐसे में डॉलर इंडेक्स में तेजी देखने को मिल रही है और इंटारनेशनल मार्केट में गोल्ड के दाम में इजाफा देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत और विदेश के बाजारों में गोल्ड और सिल्वर किस लेवल पर कारोबार कर रहे हैं।

विदेशी बाजारों ने बदला गोल्ड और सिल्वर का बाजार

करीब डेढ़ महीने पहले कॉमेक्स मार्केट में गोल्ड और सिल्वर के दाम में तेजी का माहौल बना हुआ था, जो आज पूरी तरह से ठंडा पड़ा हुआ है। 4 मई को गोल्ड के दाम 2055 डॉलर प्रति ओंस पर

बने हुए थे, जो आज घटकर 1947 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहे हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड फ्यूचर के दाम में इस दौरान करीब 110 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं अगर बात सिल्वर फ्यूचर की करें तो इसमें भी करीब डेढ़ महीने में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। 4 मई को सिल्वर के दाम 26.358 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहे थे, जो मौजूदा समय में 23.163 डॉलर प्रति ओंस पर आ चुके हैं। इसका मतलब है कि सिल्वर फ्यूचर के दाम इस दौरान 3.2 डॉलर प्रति ओंस पर कम हो चुके हैं।

भारत में सोना 3500 रुपये सस्ता

वहीं भारत के फ्यूचर मार्केट की बात करें तो यहां भी गोल्ड के दाम काफी हो चुके हैं। बीते 45 दिनों में कहानी पूरी तरह से बदल चुकी है। 4 मई को गोल्ड के दाम 62,285 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे थे जो आज कम होकर 58,776 रुपये पर आ गए। इसका मतलब है कि गोल्ड इस दौरान 3,509 रुपये कम हो चुका है। वैसे सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर गोल्ड एमसीएक्स पर 58,820 रुपये पर फ्लैट लेवल के साथ कारोबार कर रहा है। वैसे आज गोल्ड 58,824 रुपये पर ओपन हुआ था और एक दिन पहले गोल्ड का बाजार 58,809 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी हो चुकी है 8000 रुपये सस्ती

दूसरी ओर चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। 45 दिनों में एमसीएक्स पर चांदी के दाम काफी कम हो चुके हैं। 5 मई को चांदी की कीमत 78,292 रुपये पर आ गई थी, जो 70,302 रुपये पर पहुंच गई। इसका मतलब है कि चांदी की कीमत में 7,990 रुपये की गिरावट देखने को मिल चुकी है। एमसीएक्स पर चांदी सुबह 9 बजकर 95 मिनट में चांदी 125 रुपये की गिरावट के साथ 70,262 रुपये पर कारोबार कर रही है। वैसे 70,347 रुपये पर ओपन हुई थी और एक दिन पहले 70,387 रुपये पर बाजार बंद हुआ था।

9वां अंतर्राष्ट्रीय सोया खाद्य सम्मेलन

इंदौर सम्मेलन में नवाचारों और सहयोग के अवसरों का प्रदर्शन

सोया फूड्सः स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सतत प्रोटीन स्रोत

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन (एसएफपीडब्ल्यूए) को अपने 9वें आगामी अंतर्राष्ट्रीय सोया फूड कॉन्फ्रेंस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो 22 और 23 जून, 2023 को इंदौर, मध्य प्रदेश में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली है। यह अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम सोया खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने और आगे के विकास और सहयोग के लिए रास्ते तलाशने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों, निवेशकों, सरकार के निर्णय निर्माताओं आदि को एक साथ लाएगा। 'वैश्विक और भारतीय सोया उत्पादन, मांग और आपूर्ति, सोया खाद्य प्रसंस्करण और उपयोग के रुझान, सोया पोषण के साथ-साथ पोषण हस्तक्षेप कार्यक्रमों, नवाचारों और उद्यमिता/स्टार्ट-अप अवसरों में सोया की भूमिका' पर समर्पित सत्रों के तहत। इस सोया खाद्य सम्मेलन का उद्देश्य ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक समावेशी मंच प्रदान करना है, सोया खाद्य प्रसंस्करण, उपयोग पर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ सोया खाद्य व्यवसाय के अवसरों को उद्यमशीलता के दृष्टिकोण के साथ-साथ कम लागत पोषण प्रदान करने के लिए बढ़ावा देना है। जनता के लिए और भारत में रोजगार के अवसर पैदा करना।

सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन (एसएफपीडब्ल्यूए) के अध्यक्ष श्री सुमित अग्रवाल के अनुसार, 'हम इस अंतरराष्ट्रीय सोया फूड सम्मेलन को लेकर बहुत उत्साहित हैं और वैश्विक सोया मूल्य श्रृंखला से विषय वस्तु विशेषज्ञों और अन्य लोगों के एक उल्लेखनीय जमावड़े की उम्मीद कर रहे हैं। यह सम्मेलन सोया खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, बाजार विकास, उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और इस क्षेत्र को देश के खाद्य और पोषण सुरक्षा रोडमैप के साथ कैसे जोड़ा जाए, में प्रगति दिखाने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। सोया खाद्य उत्पादों में देश और उससे आगे की खाद्य और पोषण सुरक्षा पर भरोसा करने की अपार संभावनाएं हैं।'

इंदौर, मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी और सोया के प्रसंस्करण और व्यापार केंद्र, को इस अंतरराष्ट्रीय सोया खाद्य सम्मेलन की मेजबानी के लिए चुना गया था। सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन (एसएफपीडब्ल्यूए) एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन संगठन है जो भारत में सोया और सोया आधारित खाद्य उत्पादों के लाभों को बढ़ावा देने के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में सुधार के लिए समर्पित है।एसोसिएशन सोया खाद्य क्षेत्र की वृद्धि और विकास को बढ़ाने के लिए उद्योग हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने, समर्थन प्रदान करने और सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

सस्ता होगा खाने का तेल, सरकार ने सोयाबीन और सनफ्लॉवर ऑयल पर घटाई इंपोर्ट ड्यूटी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

चुनावी साल में सरकार पूरी तरह से कोशिश कर रही है कि किसी भी तरह से खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट बनी रहे। इसी कड़ी में सरकार ने बुधवार को रिफाइन्ड सोया और सूरजमुखी ऑयल पर इंपोर्ट ड्यूटी को 17.5% से घटाकर 12.5% कर दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में खाने के तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना, ब्राजील, यूक्रेन और रूस से सोया तेल और सूरजमुखी तेल का आयात करता है।

गौरतलब है कि भारत खाद्य तेलों का सबसे बड़ा खरीदार है और अपनी मांग का लगभग 60% आयात करता है। कुल आयात में कच्चे तेल और रिफाइंड तेल की हिस्सेदारी 75% और 25% है। भारत में सालाना खपत 2.4 करोड़ टन है। कमोडिटी मार्केट के एक्सपर्ट हेमंत गुप्ता का कहना है कि निश्चित तौर से खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट के लिए यह कदम उठाया गया है। वैसे सरकार ने हाल ही में खाद्य तेल उत्पादकों के साथ बैठक कर उनसे कहा भी है कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में जो गिरावट आ रही है, उसके मद्देनजर वे कीमतें कम करें। अब सरकार ने आयात भी सस्ता कर दिया है। इससे खाद्य तेलों की कीमतें नीचे आएंगी।

---

62 प्रतिशत घट गई EV दोपहिया वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। एजेंसी

सब्सिडी में कटौती का असर इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों की बिक्री में दिखने लगा है। 1 से 15 जून के दौरान औसत दैनिक बिक्री मात्रा में मई के मुकाबले 62% से अधिक की गिरावट आई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ऑटो पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार मई में प्रतिदिन 3,395 इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों की बिक्री हुई थी, जो जून में घटकर 1,271 यूनिट रह गई। मई में कुल 14,97,956 दोपहिया बेचे गए थे उनमें से 7.73% इलेक्ट्रिक दोपहिया थे। जून में यह हिस्सेदारी घटकर 2.65% रह गई। यानी जितने दोपहिया जून में बेचे गये उनमें 2.65% ही इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियां बिकीं। गौरतलब है कि भारी उद्योग मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार फास्टर एडॉप्शन ऑफ मैन्युफैक्चरिंग इलेक्ट्रिक एंड हाइब्रिड वीकल्स इन इंडिया यानी FAME-II योजना के तहत इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए 1 जून से अधिकतम सब्सिडी इलेक्ट्रिक के एक्स-मार्केट मूल्य के मौजूदा 40% से घटकर 15% हो जाएगी। इसके अलावा सब्सिडी मौजूदा 15,000 रुपये के बजाय EV की बैटरी क्षमता के प्रति किलोवाट घंटा 10,000 रुपये होगी। इसका मतलब है कि गाड़ी में बैटरी क्षमता पर रु. 10,000 प्रति ॅ की दर से सब्सिडी की पेशकश की जाएगी, जो कि पहले प्राप्त बैटरी क्षमता इन्सेंटिव मैन्युफैक्चररों के रु. 15,000 प्रति ॅ से भी कम है। FAME-II प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिए निर्माता के लिए एक स्कूटर की अधिकतम एक्स-फैक्टरी कीमत रु. 1.50 लाख होनी चाहिए। **ग्राहकों पर बोझ-** एक्सपर्ट के अनुसार दोपहिया EV पर एक्स-फैक्टरी कीमत रु. 1.50 लाख रुपये तक पर यह सब्सिडी मिलेगी। मौजूदा नियम के तहत यह सब्सिडी EV गाड़ी बनाने पर प्रति वीकल 60,000 रुपये तक बैठती थी। मगर अब यह घटकर 22,500 रुपये प्रति वीकल हो जाएगी। अगर गाड़ी की कीमत 1 लाख रुपये हैं तो पहले सब्सिडी 40,000 रुपये मिलती थी, अब 15,000 रुपये मिलेगी। ऑटो एक्सपर्ट का कहना है कि अब कंपनियां इसका बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। ऐसे में बिक्री का कम होना स्वाभाविक है।

शिव कृपा प्राप्त करने के लिए एक बार अवश्य करें यह आसान से उपाय

सनातन संस्कृति में व्रत-उपवास का बहुत महत्व है। भगवान शिव को खुश करने के लिए तो अक्सर महिलाएं और पुरुष सोमवार का व्रत रखते हैं। जहां पुरुष अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए व्रत रखते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियां मनपसंद जीवनसाथी पाने के लिए और सुहागिन महिलाएं सदा सौभाग्य रहने की कामना के साथ व्रत का पालन करती हैं। कहा जाता है कि भगवान शिव ही अकेले ऐसे देव हैं, जिन्हें प्रसन्न करना बहुत ही आसान है। भोलेनाथ भक्तों की भक्ति और श्रद्धा को देखकर उन्हें मनचाहा वरदान देते हैं। भगवान शिव को खुश करने के लिए उनके निमित्त व्रत और पूजा तो की जाती है। उसके साथ-साथ कुछ सरल उपाय भी कर लिए जाएं तो शिव जी की कृपा जल्दी ही मिल जाती है। आइए जानते हैं, सोमवार के दिन भगवान शिव के कौन से उपाय करने से लाभ मिलेगा...

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

भगवान शिव को प्रसन्न करने के उपाय

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सुबह नहाने के बाद सफेद, हरे, पीले, लाल और आसमानी रंग के वस्त्र पहनकर ही पूजा करें क्योंकि माना जाता है कि पुराणों में रंगों का भी पूजा से विशेष महत्व जोड़ा गया है।

जिन जातकों को मेंटल स्ट्रेस अथवा किसी भी तरह की परेशानी रहती है, उन्हें सोमवार के दिन सफेद वस्तुओं का दान करना चाहिए। दूध, सफेद रंग के वस्त्र, दही, साबुत चावल, खीर आदि शिवालय में चढ़ाने से भगवान शिव के साथ-साथ चन्द्र देव की कृपा भी प्राप्त होती है।

शिव रक्षा स्त्रोत का पाठ करने से भगवान शिव का आशीष तो प्राप्त होता ही है, साथ-साथ पैसों की कमी भी दूर होती है। घर में धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए सोमवार, प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन कच्चे चावल में काले तिल मिलाकर दान करें। पितृ दोष से छुटकारा प्राप्त करने के लिए भी यह उपाय बहुत कारगार हैं।

जिन लोगों की कुंडली में चंद्र ग्रह का अशुभ प्रभाव चल रहा होता है, उन्हें सोमवार के दिन सफेद रंग के वस्त्र पहनने चाहिए और माथे पर चंदन का तिलक लगाकर ही घर से निकलना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव दे रहा सोम सकारात्मकता में परिवर्तित हो जाएगा।

सोमवार के दिन भगवान शिव को अक्षत, चंदन, धतूरा, दूध, गंगा जल और बेलपत्र से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से हजारों समस्याएं पल भर में दूर हो जाती हैं।

सोमवार को भगवान शिव को घी, शक्कर और गेहूं के आटे से बना हुआ चूरमा भोग स्वरूप लगाएं। ऐसा करने से घर में होने वाले दिन-रात के क्लेश से छुटकारा मिलता है और सुख-शांति व खुशहाली बनी रहती है।

चातुर्मास 29 जून से, इस बार 5 माह नहीं होंगे मांगलिक कार्य

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में शादी-विवाह या अन्य मांगलिक कार्य शुभ मुहूर्त में ही पूरे होते हैं। शुभ मुहूर्त जानने के लिए पंचांग की गणना की जाती है। ऐसा करने के बाद ही पता चलता है कि कौन सा मुहूर्त आपके लिए शुभ रहेगा। अगर आप भी घर में कोई शुभ कार्य करना चाहते हैं तो उसे जल्द से जल्द निपटा लें। ऐसा न करने पर आपको कई महीनों का इंतजार करना पड़ सकता है। इसकी एक बड़ी वजह है चातुर्मास। हिंदू धर्म में चातुर्मास का खास महत्व होता है। इस अवधि में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं हो सकते हैं। आइए जानते हैं कब से शुरू है चातुर्मास और क्या हैं इसके महत्व।

29 जून से शुरू है चातुर्मास

बता दें कि 29 जून 2023 से चातुर्मास शुरू हो रहा है। चातुर्मास का अर्थ होता है चार महीने का समय। विष्णु पुराण के अनुसार, सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु विश्राम के लिए क्षीरसागर में चार महीनों के लिए चले जाते हैं। चातुर्मास लगने के कारण शुभ विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन संस्कार आदि कई तरह के शुभ कार्य नहीं किए जा सकते हैं। चातुर्मास की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि से होती है और कार्तिक शुक्ल एकादशी पर इसका समापन होता है। इस साल अधिकमास के चलते चातुर्मास चार महीनों के बजाय पांच महीनों का होगा।

इस दिन से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार इस बार चातुर्मास की शुरुआत 29 जून से हो रही है। मान्यता है कि इन 4 महीनों के दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इसलिए दुनिया में सभी प्रकार के मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। दिवाली के बाद जब देवउठनी एकादशी होती है, तब भगवान निद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास खत्म हो जाता है और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।

अब सिर्फ 3 शुभ मुहूर्त बाकी हैं

अगर आप नहीं चाहते कि आपके मांगलिक कार्य अटक जाएं तो आप किसी ज्योतिष शास्त्री से संपर्क कर अपने लिए शुभ मुहूर्त निकलवा सकते हैं। पंडितों के मुताबिक चातुर्मास से पहले इस महीने अब 3 शुभ मुहूर्त बाकी हैं। इनमें 23 जून, 24 जून और 26 जून की तारीख को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ बताया गया है।

सावन के महीने में काल सर्प दोष से मिल सकती है मुक्ति!

शिवलिंग पर जल चढ़ाने के साथ करें ये 3 काम

कालसर्प योग कुंडली में ग्रहों की एक प्रकार की स्थिति है, जो किसी की भी कुंडली में संभव है. ज्योतिष में कालसर्प योग के दोषों को दूर करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं. इसी कड़ी में सावन का महीना भी है. ये महीना काफी पवित्र माना जाता है. सावन के माह में दोष को दूर करने का सबसे सरल उपाय है शिवजी को प्रसन्न करना. शिवजी सर्प को धारण करते हैं, इसलिए भोलेनाथ की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करने से नागराज भी स्वाभाविक रूप से प्रसन्न होते हैं. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक हिंदू धर्म में सावन का महीना वो समय माना जाता है, जब शिवजी पृथ्वी लोक में विचरण करते हैं. ऐसे में कालसर्प योग से प्रभावित लोगों को सावन के महीने में कुछ सटीक उपाय करने चाहिए, ताकि शिवजी

के माध्यम से सर्प को प्रसन्न कर दोषों का निवारण किया जा सके. इस बार 4 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो रहा है, इसलिए इन उपायों को ध्यान से पढ़ें और सावन में उनका उपयोग कर कालसर्प का निदान करें.

चांदी का स्वास्तिक : ज्योतिषाचार्य के मुताबिक घर की चौखट या मुख्य द्वार पर चांदी का स्वास्तिक बनाकर लगाएं. आप जानते ही हैं स्वास्तिक गणेश जी का प्रतीक चिह्न है और गणेश जी शिवजी के पुत्र होने के साथ ही उनके प्रिय भी हैं. इस तरह गणपति के माध्यम से आप शिवजी और सर्प को प्रसन्न कर सकते हैं.

रुद्राभिषेक : सावन में घर पर रुद्राभिषेक कराने से भी लाभ होता है. घर में मोर पंख रखें और सुबह उठकर तथा रात में सोने से पहले भगवान शिव और कृष्ण जी का ध्यान कर मोरपंख को देखा करें.

शिव उपासना : शिव उपासना

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर (ज्योतिषाचार्य)

एवं लगातार रुद्रसूक्त से अभिमंत्रित जल से स्नान करने पर यह योग शिथिल हो जाता है. जो लोग व्रत आदि रख सकते हैं, उनके लिए तो और भी अच्छा होगा. शिवलिंग पर तांबे का सर्प चढ़ाने से भी सर्प प्रसन्न होता है. चांदी के सर्प के जोड़े को बहते हुए पानी में छोड़ दें, इससे भी काल सर्प योग में चमत्कारिक लाभ होता है.

शनि-मंगल ग्रह बनाएंगे समसप्तक योग

इन राशियों के लिए मुश्किल भरा रहेगा समय

प्रत्येक ग्रह एक समय के बाद नक्षत्र एवं राशि परिवर्तन करता है। ज्योतिष शास्त्र में इसे ग्रहों का गोचर कहा जाता है। ग्रहों के राशि या नक्षत्र परिवर्तन से देश-दुनिया समेत सभी 12 राशियों के जातक प्रभावित होते हैं। इसी क्रम में 1 जुलाई से मंगल ग्रह सिंह राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। मंगल के सिंह राशि में आने से शनि और मंगल समसप्तक योग का निर्माण करेंगे। शनि वर्तमान समय में कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं। ऐसे में शनि मंगल एक दूसरे से आमने-सामने होंगे। इस योग के बनने से तीन राशि के जातकों को मुश्किल वक्त का सामना करना पड़ेगा। आइये जानते हैं ये राशि कौन सी हैं।

मेष

इस राशि के जातकों के लिए समसप्तक योग हानिकारक साबित होने की संभावना है। इस समय काल में आपको धन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको पेट की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन का प्रयोग सोच-समझकर करना होगा। लव रिलेशन में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा करने से दूरी बनाएं।

कर्क

इस राशि के जातकों के लिए समसप्तक योग नुकसानदायक साबित होने की संभावना है। आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। किसी से वाद-विवाद करने से दूरी बनाएं। अपने रिश्तों का खास ख्याल रखें। माता के साथ संबंध खराब हो सकते हैं। वहीं, अभी नया काम शुरू करने से दूरी बनाएं। सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बाहर खान-पान न करें।

मकर

इस राशि के जातकों के लिए समसप्तक योग प्रतिकूल रहने वाला है। इस समय काल में खर्चों बढ़ेगा। आपका बजट बिगड़ सकता है। परिवार के साथ मनमुटाव हो सकता है। बहसबाजी करने से दूरी बनाएं। कार्यक्षेत्र में लापरवाही न करें। किसी को उधार धन न दें। व्यापारी वर्ग का काम धीमी गति से चलेगा।

हीरो मोटोकॉर्प ने नई एक्सस्ट्रीम 160आर 4 वॉल्व के साथ प्रीमियम राइड की रफ्तार बढ़ाई

अपनी श्रेणी में सबसे बेहतरीन एक्सीलरेशन, ड्रैग रेस टाइमिंग

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने उपभोक्ताओं को प्रीमियम प्रॉडक्ट्स की संपूर्ण रेंज उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, आज एक्सट्रीम 160आर 4वी को लॉन्च किया है। प्रीमियम मोटरसाइकिल की श्रेणी में हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी मौजूदगी को दमदार तरीके से बढ़ाया है। जयपुर में सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीआईटी) के आधुनिक अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र में इसकी पहली झलक पेश की गई। एक्सट्रीम 160आर 4वी परफॉर्मेंस, दमदार स्टांस, स्मार्ट और कनेक्टेड फीचर्स के साथ तेज कंट्रोल का बेमिसाल पैकेज ऑफर करती है। नई एक्सट्रीम 160आर अपसाइड डाउन फोर्क्स के साथ तीन वैरिएंट्स, स्टैंडर्ड, कनेक्टेड 2.0 और प्रो वैरिएंट में में उपलब्ध होगी। देश भर में हीरो मोटोकॉर्प के शोरूम में स्टैंडर्ड वैरिएंट 127,300 रुपये, कनेक्टेड 2.0 वैरिएंट 132,800 रुपये और प्रो वैरिएंट 136,500 रुपये में उपलब्ध होगा। (ये सभी कीमतें एक्स शोरूम-दिल्ली की हैं)

हीरो मोटोकॉर्प के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर (सीईओ) श्री निरंजन गुप्ता ने नई एक्सट्रीम 160आर 4वी का अनावरण करते हुए बताया, 'अपने प्रॉडक्ट्स का प्रीमियम वर्जन पेश करने की दिशा में कंपनी के सफर में यह सबसे बेहतरीन साल होगा। हम प्रीमियम मोटरसाइकिल के क्षेत्र में अपनी श्रेणी में सबसे बेहतरीन प्रॉडक्ट्स की सीरीज पेश करने जा रहे हैं। एक्सट्रीम 160आर 4वी की पेशकश इसी श्रृंखला में पहली लॉन्चिंग है। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ ग्रोथ ऑफीसर श्री रंजीवजीत सिंह ने कहा 'नई एक्सट्रीम 160आर 4वी हमारे जिंदादिल, तकनीकी रूप से उन्नत मोटरसाइकिलों के मजबूत पोर्टफोलियो में एकदम सहीं संकलन है। यह मोटरसाइकिल अपनी श्रेणी में सबसे तेज गति से रफ्तार पकड़ने, सटीक अंदाज, स्टाइल और परफॉर्मेंस के परफेक्ट मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती है।

वर्ल्ड एवोकैडो ऑर्गेनाइजेशन ने उपभोक्ता शिक्षा अभियान शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

वर्ल्ड एवोकैडो ऑर्गेनाइजेशन एक गैर लाभकारी संगठन है जो दुनिया भर में एवोकैडो को निर्माताओं निर्यातकों और आयातकों का प्रतिनिधित्व करता है 2016 में इस संगठन की स्थापना एवोकैडो की खपत और दुनिया भर के इस पसंदीदा सुपरफूड से सेहत को होने वाले लाभ को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। डब्ल्यूएओ को तेजी से बढ़ते हुए वाइब्रेंट भारतीय मार्केट में एवोकैडो को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

भारत में डब्ल्यूएओ के अभियान को लॉन्च करते हुए डब्ल्यूएओ के चेयरमैन जैक बार्ड ने कहा हम इस कैंपेन को भारत में लॉन्च कर काफी उत्साहित हैं देश में बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के परिदृश्य और सेहत के प्रति सतर्क रहने वाले उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या भारत में एवोकैडो का मार्केट बनने के क्षेत्र में असीम संभावनाएं दिखाती है हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को एवोकैडो को अपने आहार में शामिल करने के लिए जागरूक करना और सेहतमंद लाइफस्टाइल को बढ़ावा देना है हालांकि भारतीय बाजार में आने वाले एवोकैडो को इंपोर्ट किया जाता है लेकिन इसके बावजूद कुछ भारतीय कंपनियां भारत में एवोकैडो की हॉस वैराइटी उगाने की संभावना तलाश रही है।'

बार्ड ने कहा यह काफी अच्छा समय है और हम भारत आकर काफी उत्साहित हैं अपनी स्वाभाविक सेहतमंद और उपयोगिताओं के साथ एवोकैडो दुनिया भर में लोगों के आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। देश के ज्यादा से ज्यादा समझदार लोगों ने इस फल में दिलचस्पी दिखाई है वे उसके सेहत संबंधी लाभ और स्वाद से वाकिफ हैं उन्हें रोजाना के भोजन में एवोकैडो को शामिल करने के तरीके भी समझ आ गए हैं हम इस विषय में कई और दिलचस्प कार्यक्रम आयोजित करेंगे इस पर आपको नजर रखनी चाहिए क्योंकि हम आपके लिए टॉप भारतीय शेफ और न्यूट्रिशिनस्ट को लेकर आएंगे जो आपको हास एवोकैडो के साथ खाना पकाना सिखाएंगे और उसके बारे में बात करेंगे।

क्लीन एंड क्लियर ने लॉन्च किया क्लीन एंड क्लियर फोमिंग फेसवॉश

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

क्लीन एंड क्लियर जो भारत के लीडिंग टीनेज स्किनकेयर ब्रैंड में से एक है ने टीनेज लड़कियों को होने वाली पिंपल और ऑइली स्किन की समस्याओं में उनकी मदद के लिए अपना नया और बेहतर क्लीन एंड क्लियर फोमिंग फेसवॉश लॉन्च किया है नए शक्तिशाली और बेहतर फॉर्मुला में हैं 50प्रतिशत पिंपल-फाइटिंग तत्व और यह बस 1 हफ्ते में पिंपल घटाने के लिए क्लिनिकली प्रूवन है नया और बेहतर क्लीन एंड क्लियर फोमिंग फेसवॉश त्वचा को सौम्यता से साफ करता है 99प्रतिशत गंदगी, ऑइल, और एक्ने पैदा करने वाले बैक्टीरिया हटाता है और इसमें कोई भी सल्फेट या पैराबेन नहीं हैं स्किन को नमी देने वाले तत्वों से बना यह फेसवॉश 4ह्र अधिक हायड्रेशन देकर स्किन की 99प्रतिशत नेचुरल नमी बनाए रखता है और हर इस्तेमाल के बाद त्वचा को ग्लोइंग और फ्रेश बनाता है।

इस लॉन्च पर बोलते हुए, केनव्यू के वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग और बिजनेस यूनिट हेड मनोज गाडगिल ने कहा सालों से क्लीन एंड क्लियर ने खुद को लीडिंग टीनेज स्किनकेयर ब्रैंड के रूप में स्थापित किया हुआ है और हमारे प्रॉडक्ट की श्रेष्ठता और प्रभाविकता के कारण भारत भर में करोड़ों लड़कियाँ हम पर भरोसा करती हैं हमारे ब्रैंड ने हमेशा टीनएजर्स को पिंपल से जुड़े अंदरूनी संकोच से उबरने और अपना आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु प्रेरित करने की कोशिश की है क्लीन एंड क्लियर फोमिंग फेसवॉश अपने नए अवतार में हमारे वादे को और मजबूत बनाता है क्योंकि यह एक बेहतर और अधिक शक्तिशाली समाधान है जो टीनएजर्स को पिंपल और एक्ने से जुड़ी दूसरी चिंताओं का प्रभावी ढंग से सामना करने में मदद देता है और उनकी स्किन को हायड्रेटेड रखकर बेहतर नतीजे देता है।

ओराइमो ने भारत में फ्रीपॉड्स 4 वायरलेस ईयरबड्स लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओराइमो अपने युवा उपभोक्ताओं को किफायती लेकिन टेक्नोलॉजी में सबसे बेहतरीन उत्पाद पेश करने के लिए, भारत में फ्रीपॉड्स 4 लॉन्च करने के लिए तैयार है। यह उन उपभोक्ताओं के लिए बनाया गया है, जो अपनी सुविधा और आराम से कोई समझौता न करते हुए जबर्दस्त और बेहतरीन आवाज को प्राथमिकता देते हैं। फ्रीपॉड्स 4 व्यस्त एवं शोरगुल के माहौल में एकदम साफ आवाज में कॉल करने और बेहतरीन संगीत सुनने का अवसर प्रदान करते हैं।

यह प्रीमियम वायरलेस ईयरबड्स आधुनिक एएनसी टेक्नोलॉजी से लैस है, जो बाहर से आपके कानों तक पहुंचने वाली आवाज को 30 डीबी तक कम कर सकता है। इसमें आधुनिक 4-माइक प्रोपरायटरी बीमफॉर्मिंग एरे और एआइ डीप न्यूरल टेक्नोलॉजी भी है, जो कॉल के बीच अनचाही आवाज को पहचानकर बाहर से आने वाले शोर को कम करती है। तेजी से चार्ज होने की तकनीक के अलावा फ्रीपॉड्स 4 में बैटरी की लाइफ काफी लंबी होती है। इससे आप 35.5 घंटों तक संगीत सुन सकते हैं। 10 मिनट का क्विक रिचार्ज आपको 170 मिनट की बैटरी लाइफ प्रदान करता है।अपनी बेमिसाल साउंड क्वॉलिटी से फ्रीपॉड्स 4 ऑडियोफाइल्स के साथ संगीत प्रेमियों को वह टूल प्रदान करता है, जिससे वह अपना अलग-अलग और खास स्टाइल बना सकते हैं। कोई भी काफी सहज तरीके से नए ओराइमो साउंड ऐप से ऑडियो सुन सकता है, इससे पांच ईक्यू मोड्स में अपने पसंदीदा मोड में संगीत सुनने का मौका मिलता है। कोई भी व्यक्ति किसी डिवाइस को केवल कुछ सेकेंड्स में गूगल फास्ट पेयरिंग से कनेक्ट कर सकता है। इसके लिए सिर्फ उसे ईयरफोन्स केस से निकालने होंगे और डिवाइस का ब्लूटुथ ऑन करना पड़ेगा। यह ईयरबड्स उच्च संवेदनशील सेंसर्स के साथ आते है, जो यूजर्स के अनुरोध पर तुरंत रिएक्शन देता है। फ्रीपॉड्स 4 आईपीं5 वॉटर प्रूफ है। इस पर पानी के छींटे का कोई असर नहीं पड़ता। यह डिवाइस को पसीने से भी सुरक्षित रखता है, जिससे नमी से डिवाइस को होने वाले नुकसान से बचाव होता है। ओराइमो इंडिया के बीयू हेड सचिन कपूर ने कहा, 'हम भारतीय बाजार में फ्रीपॉड्स 4 लॉन्च कर काफी उत्साहित हैं। हमने इसे आधुनिक एएनसी टेक्नोलॉजी से लैस किया है, जिससे यूजर को किफायती दाम पर बेहतरीन और बिना किसी शोर-शराबे के कॉल पर बात करने और दूसरे की बात सुनने का अनुभव दे सकें।

प्राइवेट लोगों को गेहूं और चावल बेचेगा FCI

नई दिल्ली। एजेंसी

Food Corporation of India (FCI) गेहूं और चावल की कीमतों को कम करने के लिए जरूरत के हिसाब से केंद्रीय पूल स्टॉक से इनकी बिक्री प्राइवेट पार्टियों को करेगा। मगर केंद्र ने राज्य सरकारों को ओपन मार्केट सेल स्कीम (OMSS) के तहत चावल और गेहूं की बिक्री बंद कर दी है। इस फैसले से कर्नाटक सरकार को पहले ही अवगत करा दिया गया है, जिसने जुलाई के लिए ई-नीलामी के बिना OMSS के तहत अपनी ही योजना के लिए 3,400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 13,819 टन चावल की मांग की थी। इण्ड की ओर से जारी एक हालिया आदेश के अनुसार राज्य सरकारों के लिए OMSS (घरेलू) के तहत गेहूं और चावल की बिक्री बंद कर दी गई है। सरकार ने ध्एए के तहत केंद्रीय पूल से 15 लाख टन गेहूं की बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से आटा मिलों, निजी व्यापारियों और गेहूं उत्पादों के मैन्युफैक्चरर को करने की घोषणा की थी। हालांकि, इसने ध्एए के तहत बिक्री के लिए इन व्यापारियों के लिए चावल की मात्रा तय नहीं की थी।

कामधेनू पेन्ट्स ने आयोजित की अब तक की सबसे बड़ी चैनल पार्टनर्स मीट

बैस्ट चैनल पार्टनरों को बॉलीवुड सेलिब्रिटीज़ ने सम्मानित किया

गुरुग्राम । आईपीटी नेटवर्क

उच्च गुणवत्ता के पेन्ट व इमल्शन निर्माता और कामधेनू ग्रुप के ब्रांड कामधेनू पेन्ट्स ने अपने चैनल पार्टनरों के लिए दो दिवसीय 'कामधेनू सेंसेशनल बॉलीवुड नाइट (केएसबीएन 2)' का आयोजन किया जिसका उद्देश्य है उन्हें उनके शानदा प्रदर्शन के लिए सम्मानित करना और नई ऊंचाईयां छूने के लिए प्रेरित करना। पेन्ट कारोबार के डिमर्जर के बाद यह पहली तथा कंपनी की अब तक की सबसे बड़ी चैनल पार्टनर्स मीट है। देश भर से आए 800 से अधिक डीलरों ने अपने परिवारों के साथ इस आयोजन में शिरकत की। मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर और बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता राजकुमार राव ने असाधारण प्रदर्शन करने वाले चैनल पार्टनरों को पुरस्कार भेंट किए।

विभिन्न प्रकार के गेम्स, संगीत और खानपान के साथ इस वर्ष के आयोजन में परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए कुछ न कुछ अवश्य था। प्रसिद्ध गायक पद्मश्री सोनू निगम और उनके संग राहुल वैद्य ने अपनी गायकी से वहां मौजूद हर व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया। मशहूर सेलिब्रिटी जैकलीन फर्नान्डिस और रकुलप्रीत सिंह ने भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाई और उनकी मौजूदगी से उपस्थित जन बहुत खुश हुए। जितेश चावला ने अपने जोक्स व मिमिक्री से लोगों को खूब हंसाया। दुनिया भर में जाने माने डांस समूहों डांस स्मिथ और एमजे5 ने अपनी कमाल परफॉरमेंस से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कामधेनू पेन्ट्स के प्रबंध निदेशक श्री सौरभ अग्रवाल ने चैनल पार्टनर्स मीट के बारे में कहा, ''कामधेनू ग्रुप अपने हर चैनल पार्टनर को कामधेनू परिवार के अभिन्न सदस्य की तरह मानता है। उन्होंने कामधेनु को घर-घर में पहचाने जाने वाले एक ब्रांड के तौर पर स्थापित करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है। कामधेनु सेंसेशनल बॉलीवुड नाइट जैसे आयोजन न केवल हमें मौका देते हैं कि हम उनके अटूट समर्थन हेतु आभार व्यक्त कर सकें बल्कि इससे हमें उनकी जरूरतें समझने में भी मदद मिलती है, इस तरह से हम उन्हें सहयोग देने व उनके साथ मिलकर काम करने के सबसे प्रभावी तरीकों की भी पहचान कर पाते हैं। अपने चैनल पार्टनरों के साथ तालमेल से हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 के अंत तक रु. 1,000 करोड़ का रेवेन्यू अर्जित करना है।''

शाओमी इंडिया ने प्रोडक्टिविटी का पॉवरहाउस

शाओमी पैड 6 पेश किया, म्यूज़िक के बेहतर अनुभव के लिए रेडमी बड्स 4 एक्टिव भी पेश किया

एजेंसी। भरोसेमंद स्मार्टफोन और एआईओटी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने अत्यधिक अपेक्षित टेबलेट - शाओमी पैड 6 के लॉन्च की घोषणा की। यह टेबलेट उत्पादकता, रचनात्मकता और मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव प्रदान करती है। अपने एआईओटी पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए शाओमी इंडिया ने अपने सबसे आधुनिक वायरेस ईयरबड्स - रेडमी बड्स 4 एक्टिव के लॉन्च की भी घोषणा की। शाओमी पैड 6 के साथ #DoItBetter फ्लैगशिप क्वालकोम स्नैपड्रैगन 870 प्रोसेसर के साथ शाओमी पैड 6 अपने पूर्ववर्ती की तुलना में 24 प्रतिशत जयादा तेज है। आधुनिक, ऑन-द-गो उपभोक्ता के लिए डिज़ाईन किए गए शाओमी पैड 6 में 309 पिक्सल प्रति इंच के साथ 2.8के रिज़ॉल्यूशन और 11 ईंच का डिस्प्ले हर दृश्य को बहुत स्पष्ट और शार्प बना देता है। इसमें 144हट्र्ज़ का रिफ्रेश रेट है।

दो बेहतरीन रंगों: क्लासिक ग्रेफाईट ग्रे और चिक मिस्ट ब्लू में उपलब्ध शाओमी पैड 6 उपयोगिता के मामले में नए मानक स्थापित करती है। यह फंक्शनलिटी, इंटरकनेक्टिविटी, स्टाईल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन इंटीग्रेशन प्रदान करती है, जिससे यूज़र्स #DoItBetter में समर्थ बनते हैं। अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, ''पिछले साल शाओमी पैड 5 लॉन्च करके हमने टेबलेट श्रेणी के परिवेश को पूरी तरह से बदल दिया था। इसके लॉन्च के साथ एन्ड्रॉयड टेबलेट्स में उपभोक्ता की रुचि बढ़ी, प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हुई, और टेबलेट श्रेण में ऐसा इनोवेशन आया, जिसकी कमी एन्ड्रॉयड टेबलेट के सेगमेंट में बहुत लंबे समय से थी।

मीशो टाईम 2023 की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में शामिल

इंदौर।आईपीटी नेटवर्क

भारत के एकमात्र टू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने 2023 के लिए दुनिया में सबसे प्रभावशाली 100 कंपनियों की टाईम सूची में अपनी जगह बनाई है। भारत के ई-कॉमर्स परिदृष्य में मीशो द्वारा लाए गए असाधारण बदलाव के लिए इसे 'पायोनियर्स' की सूची में शामिल करके सम्मानित किया गया। विदित आत्रे फाउंडर एवं सीईओ मीशो ने कहा हम टाईम द्वारा दुनिया की 100 सबसे प्रभावषाली कंपनियों की सूची में चुने जाने पर बहुत खुश हैं। एक भारत पर केंद्रित कंपनी को यह सम्मान मिला है, जो पूरे देश के लिए एक गर्व की बात है। उन्होंने कहा यह हमारी टीम की कड़ी मेहनत, दृढ़ निष्चय, और महत्वाकांक्षा का प्रमाण है, जिसकी मदद से हम छोटे व्यवसायों को सशक्त बना रहे हैं, और देश के सभी कोनों में लाखों ग्राहकों के लिए आनलाईन शापिंग को किफायती भी बना रहे हैं। हम उद्यमशीलता संभव बनाकर सस्टेनेबल आजीविका का निर्माण करना चाहते हैं, और यह सम्मान लोगों के जीवन में हमारे द्वारा ला जा रहे सकारात्मक बदलाव की पुष्टि करता है। टाईम ने कहा अपने प्रतियोगियों से अलग, मीशो विक्रेताओं से कमीशन नहीं लेता है, जिसके कारण ये विक्रेता अपने 60 प्रतिशत उत्पाद 4 डॉलर से भी कम मूल्य में बेच पाते हैं, जो उन भारतीयों के लिए खरीदना बहुत आसान हैं, जिनकी आय 6000 डॉलर साल से कम है। इस साल अपने तीसरे संस्करण में टाईम की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों की सूची में स्वास्थ्य सेवा, मनोरंजन, टेक्नॉलॉजी, रिटेल एवं एनर्जी आदि क्षेत्रों में काम करने वाले उन संगठनों को सम्मानित किया गया है, जिन्होंने उद्योग को आकार देते हुए हमारे काम करने और रहने के तरीके में परिवर्तन लाया है।

गोदरेज एग्रोवेट मना रहा है अपने बायोस्टिमुलेंट 'डबल' की 25वीं वर्षगाँठ

भारत के 3 करोड़ एकड़ खेत का उपचार किया गया और लगभग करोड़ कृषक समुदायों की जिंदगियां समृद्ध हुईं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) के क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस ने घोषणा की कि इसके बायोस्टिमुलेंट, 'डबल' ने भारतीय किसानों के लिए बेहतर उपज को सक्षम करने के 25 साल पूरे कर लिए हैं। डबल ने लगभग 3 करोड़ एकड़ भारतीय कृषि भूमि का उपचार किया है और पिछले 25 वर्षों में लगभग 2 करोड़ कृषक परिवारों के जीवन में समृद्धि लाई है। कंपनी ने डबल के 25 साल पूरे होने और किसानों को नकली उत्पादों से बचाने के अलावा बेहतर खेती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एक विशेष पैक भी लॉन्च किया।

डबल का नया पैक उपयोगकर्ता के अनुकूल है और यह सुरक्षित पैकेजिंग बोतल में आता है। इसमें एक टैम्पर-एविडेंट सील है जो बोतल को खोलने की कोशिश करने पर फट जाती है और गिर जाती है। नकलीपन से बचने के लिए लेबल में जटिल वॉटरमार्क हैं। और बोतल परहोलोग्राम भी है –जो विशिष्ट 9-अंक के कोड के रूप में है। यह प्रत्येक बोतल पर मौजूद है ताकि प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सके।जहाँहोलोग्राम में ग्राहक को आश्वस्त करने के लिए स्मार्ट तरीके से 'उ' अक्षर भी डाला गया है कि उत्पाद वास्तविक है, वहीं नेत्रहीनों के लिए बोतल की नेक पर 'ब्रेल' लिपि में डेंजरअंकित किया गया है।

डबल के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जीएवीएल के प्रबंध निदेशक, बलराम सिंह यादव ने कहा, 'डबल को किसानों को उनकी फसलों की उपज बढ़ाने में मदद करने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया था। इसके लॉन्च के बाद से, हमने लगभग 2 करोड़ भारतीय किसानों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है और उपज में औसतन 18ङ्क की वृद्धि देखी है और इसलिए हमारे भारतीय किसानों की आय में वृद्धि हुई है। हमें विश्वास है कि डबल जैसा उत्पाद, यदि उचित मात्रा में और सही समय पर उपयोग किया जाता है, तो हमारे देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा किसानों को उनकी उपज और आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।